प्रेस विज्ञप्ति

हिन्दुस्तान कॉलेज के ऑटोमोबाइल एवं मेकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

अंतिम राउण्ड की ई–बाहा (एस.ए.ई. इंडिया) प्रतियोगिता नात्राक्स, पीतमपुर, इन्दौर में छात्रों ने लहराया परचम

एस.ए.ई इंडिया ने हिन्दुस्तान कॉलेज की टीम को 1 लाख प्रोत्साहन राशि की दी मंजूरी।

शारदा ग्रुप के प्रतिष्ठित संस्थान हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी के ऑटोमोबाइल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों ने ई–बाहा सोसाइटी ऑफ ऑटोमोटिव इंजीनियर्स (एस.ए.ई. इंडिया) 2019 के अंतिम राउण्ड में भाग लिया। प्रतियोगिता 23 से 29 जनवरी, 2019 नात्राक्स, पीतमपुर, इन्दौर में आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में देशभर के बड़े संस्थान जैसे आई.आई.टी., एन.आई.टी. एवं प्रतिष्ठित कॉलेज और शिक्षा संस्थान के छात्रों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता एस.ए.ई. इंडिया और महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा के द्वारा आयोजित की गई थी। जिसमें हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी की टीम उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड से एक मात्र पहली ऐसी टीम थी जिसने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुये एस.ए.ई इंडिया ने 1 लाख की प्रोत्साहन राशि को दी मंजूरी।

मैकेनिकल विभाग के विभागाध्यक्ष श्री पुनीत मंगला ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 170 टीमों ने मेकेनिकल एवं इलैक्ट्रीकल बाहा में प्रतिभाग किया । अंतिम भाग में चयन के लिए छात्रों को पहले वर्चुअल राउण्ड क्लीयर करना होता है जो कि गतवर्ष 2018 में चितकारा विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में आयोजित हुआ था जिसमें संस्थान नार्थ इंडिया रीजिन में टॉप 5 में शामिल रहा था। कॉलेज के छात्रों ने

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए इलैक्ट्रिक सिंगल सीटर ऑलटैरन व्हीकल बनाया जोकि 6 हजार वॉट की मोटर के द्वारा चलाया गया।

टीम के कप्तान रोहन जैन ने बताया कि छात्रों के द्वारा डिजाइन तैयार किया गया वाहन एक सीटर वाहन है, जिसकी अधिकतम गति 60 किलोमीटर प्रति घंटा एवं वाहन की लंबाई 1600 एम.एम. और चौड़ाई 1450 एम.एम.है। यह वाहन मोटर और बैटरी से संचालित है।

वाहन का हृदय भाग यानि कि उसकी बी.एल.डी.सी. मोटर 48 वोल्ट 165 एम्पीयर है जोकि 3500 आर.पी.एम. प्रदान करती है। सस्पेशंन फ्रंट डबल विशबोन और रिअरडबल एच आर्म, व्हीकल ट्रैकफ्रंट 52 इंच और रिअर 54 इंच, भार लगभग 250 किलोग्राम लीथियम ऑयन टॉप स्पीड लगभग 45 किलोमीटर प्रति घंटा पे लोड 1.5 टन व्हीलबेस 76 इंच, ट्रांसमिशन 41 कोंसटेंट मैस, रौलकेज मैटेरिअल ए.आई.एस.आई. 1140 (3 × 25.4एम.एम.) था। यह वाहन बैटरी और मोटर द्वारा संचालित है।

नाट्राक्स पीतमपुर इन्दौर में प्रतियोगिता के दौरान छात्रों ने सभी प्रकार के टैस्ट पास किये। जिसमें प्रमुख रूप से सेफ्टी स्क्रूटनी पहला प्रयास में सफल हुआ तथा इलैक्ट्रिक सिक्योरिटी एवंब्रेकटेस्ट द्वितीय प्रयास में सफल किया। मुख्य तौर पर वाहन सुरक्षित एवं चलाने योग्य साबित हुआ। प्रतियोगिता में छात्रों ने डिजाइन, कोस्ट एवं सेल्स प्रजेंटेशन में भी प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता के दौरान ऑटोमोबाइल के अंतिमवर्ष के छात्र नवनीत तिवारी ने बाहा एप्टीट्यूडटेस्ट (बैट) भी क्लीयर किया। टीम के छात्रों ने वहाँ उपस्थित एम.एन.सी. कंपनियों के प्रतिनिधि मंडल से भी रूबरू हुये। जिन्होंने गाड़ी की डिजाइन एवं तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया। टीम की प्रथम प्रयास में ही ऑलइंडिया में 33 वीं रैंक हासिल की एवं नौर्थ इंडिया में प्रथम रही। इस प्रतियोगिता में टीमों की उपलब्धियों को देखते हुये कुछ चुनिन्दा टीमों को प्रोत्साहन के रूप में

एस.ए.ई इंडिया ने प्रोत्साहन राशि निर्धारित की थी जिसमें हिन्दुस्तान कॉलेज की टीम थंडरवर्ड को 1 लाख की राशि स्वीकृति की है।

शारदा ग्रुप के वाइस चेयरमैन श्री वाई. के. गुप्ता एवं ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. वी. के. शर्मा ने ऑटोमोबाइल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षक एवं ई–बाहा बनाने वाले समस्त छात्रों को बधाई एवं शुभकामनायें दी और कहाकि आज के समय में योग्य एवं कुशल इंजीनियर इसी तरह की प्रतियोगिता से निखर के आते हैं जो देश और संस्थान का नाम रोशन करते हैं।

संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार उपाध्याय ने ऑटोमोबाइल एवं मकैनीकल विभाग की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुये विभाग एवं टीम थंडरवर्डस को बधाई एवं शुभकामनायें दी एवं छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुये आगे भी इस तरह की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों की प्रशंसा करते हुये कहा कि कॉलेज समय–समय पर इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए छात्रों को प्रेरित करता है तथा यथा उचित संभव मदद भी प्रदान करता है जिससे छात्रों तकनीकी एवं प्रक्टीकल प्रतिभा निखर कर आती है। छात्र देश के अन्य संस्थान और तकनीकी विशेषज्ञों के संपर्क में आते हैं।

इस हर्ष के मौके पर डीन फैकल्टी डॉ. हरेन्द्र सिंह, डीन रिसर्च एण्ड डवलपमेंट प्रो. एम.एस.गौर, डीन स्टूडेंट वेल फेयर श्री संदीप अग्रवाल, संस्थान के समस्त विभागाध्यक्ष, समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारियों ने बधाई दी।